श्रीगुरु चरन् सरोज् रज्
निजमन् मुकुरु सुधारि
बरन ऊँ रघुबर् बिमल् जसु
जो दायकु फल् चारि

बुद्धि हीन् तनु जानिके
सुमिरौं पवन कुमार्
बल् बुद्धि बिद्या देहु मोहिं
हरहु कलेस बिकार

जय् हनुमान् ज्ञान् गुन् सागर्
जय् कपीस् तिहुँ लोक् उजागर्
राम् दूत् अतुलित् बल् धामा
अंजनि पुत्र् पवन् सुत् नामा

महाबीर् बिक्रम् बजरंगी
कुमति निवार् सुमति के संगी
कंचन् बरन् बिराज् सुबेसा
कानन् कुंडल् कुंचित् केसा

हाथ् बज्र् औ ध्वजा बिराजै
काँधे मूँज् जने ऊ साजै
संकर् सुवन् केसरी नन्दन
तेज् प्रताप् महा जग् बन्दन

विद्यावान् गुनी अति चातुर्
राम् काज् करिबे को आतुर्
प्रभु चरित्र् सुनि बेको रसिया
राम् लखन् सीता मन् बसिया

सूक्ष्म् रूप् धरि सियहिं दिखावा
बिकट् रूप् धरि लंक् जरावा
भीम् रूप् धरि असुर् सँहारे
रामचन्द्र् के काज् सँवारे

लाय संजीवन् लखन् जियाये
श्री रघुबीर् हरषि उर् लाये
रघुपति कीन्ही बहुत् बडा ई
तुम् मम् प्रिय् भरतहि सम् भा ई

सहस् बदन् तुम्हरो जस् गावैं
अस् कहि श्रीपति कंठ् लगावैं
सनकादिक् ब्रह्मादि मुनीसा
नारद् सारद् सहित् अहीसा

जम् कुबेर् दिग् पाल् जहाँ ते
कबि कोबिद् कहि सके कहाँ ते
तुम् उपकार् सुग्रीवहिं कीन्हा
राम् मिलाय् राज् पद् दीन्हा

तुम्हरो मन्त्र् बिभीषन् माना
लंकेस्वर् भ ए सब् जग् जाना
जुग् सहस्त्र् जोजन् पर् भानु
लील्यो ताहि मधुर् फल् जानु

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख् माहीं
जलधि लाँघि गये अचरज् नाहीं
दुर्गम् काज् जगत् के जेते
सुगम् अनुग्रह् तुम्हरे तेते

राम दुआरे तुम् रख्वारे
होत् न आज्ञा बिनु पैसारे
सब् सुख् लहै तुम्हारी सरना
तुम् रच्छक् काहू को डरना

आपन् तेज् सम्हारो आपै
तीनों लोक् हाँक् तें काँपै
भूत् पिसाच् निकट् नहिं आवै
महाबीर् जब् नाम् सुनावै

नासै रोग् हरै सब् पीरा
जपत् निरंतर् हनुमत् बीरा
संकट् ते हनुमान् छुडावै
मन् क्रम् बचन् ध्यान् जो लावै

सब् पर् राम् तपस्वी राजा
तिन् के काज् सकल् तुम् साजा
और् मनोरथ् जो को ई लावै
सो ई अमित् जीवन् फल् पावै

चारों जुग् पर् ताप् तुम्हारा
है परसिद्ध् जगत् उजियारा
साधु संत् के तुम् रखवारे
असुर् निकंदन् राम् दुलारे

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता
अस् बर् दीन् जानकी माता
राम् रसायन् तुम्हरे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा

तुम्हरे भजन् राम् को पावै
जनम् जनम् के दुख् बिस रावै
अन्त् काल् रघुबर् पुर् जा ई
जहाँ जन्म् हरि भक्त् कहा ई

और् देवता चित्त् न धर ई
हनुमत् से ई सर्ब् सुख् कर ई
संकट् कटै मिटै सब् पीरा
जो सुमिरै हनुमत् बलबीरा

जै जै जै हनुमान् गोसा ई
कृपा करहु गुरु देव् की ना ई
जो सत् बार् पाठ् कर् को ई
छूटहि बंदि महा सुख् हो ई

जो यह् पढै हनुमान् चलीसा
होय् सिद्धि साखी गौरीसा
तुलसीदास् सदा हरि चेरा
कीजै नाथ् हृदय् मँह् डेरा

पवन तनय् संकट् हरन्
मंगल् मूरति रूप्
राम् लखन् सीता सहित्
हृदय् बसु सुर् भूप्

आरती
मंगल् मूरती मारुत् नंदन
सकल् अमंगल् मूल् निकंदन
पवनतनय् संतन् हितकारी
हृदय् बिराजत् अवध् बिहारी

मातु पिता गुरू गणपति सारद्
शिव् समेथ् शंभू शुक् नारद
चरन् कमल् बिन्धौ सब् काहु
देहु रामपद् नेहु निबाहु

जै जै जै हनुमान् गोसा ईं
कृपा करहु गुरु देव् की ना ईं
बंधन् राम् लखन् वैदेही
यह् तुलसी के परम् सनेही

19 hanumān calīsā
060402